दो दिवसीय डीआईओ/डीआईए बैठक-2025 एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र, हैदराबाद में 11 और 12 सितंबर, 2025 को आयोजित की गई

एनआईसी तेलंगाना : एनआईसी तेलंगाना राज्य केन्द्र, हैदराबाद में 11 और 12 सितंबर 2025 को आयोजित दो दिवसीय डीआईओ/डीआईए की बैठक - 2025 पर रिपोर्ट।

एनआईसी तेलंगाना ने 33 में से 11 जिलों, अर्थात् आदिलाबाद, भद्राद्री कोठागुडेम, हैदराबाद, करीमनगर, खम्मम, मेडक, महबूबनगर, नलगोंडा, निजामाबाद, रंगा रेड्डी और हनुमकोंडा में तैनात एनआईसी के अधिकारियों को उन्मुख करने के लिए **एनआईसी तेलंगाना राज्य केंद्र, हैदराबाद** में **11 सितंबर और 12 सितंबर, 2025** को दो दिवसीय डीआईओ/डीआईए की बैठक की सफलतापूर्वक मेजबानी की। कार्यक्रम का उद्देश्य जिला अधिकारियों को संगठनात्मक लक्ष्यों, नीतियों और परिचालन प्रक्रियाओं से परिचित कराना, पेशेवर सहयोग को बढ़ाना और अधिकारियों के बीच एकता को बढ़ावा देना था।

दिन 1 का मुख्य अंश (11.09.2025)

उद्घाटन सत्र:

पहले दिन की शुरुआत **श्री वी.टी.वी. रमण, डी.डी.जी., राज्य समन्वयक, एन.आई.सी. तेलंगाना और समूह समन्वयक, एन.आई.सी. मुख्यालय और श्री आशीष विक्रम अस्थाना, डी.डी.जी. और एच.ओ.जी., डेटा सेंटर नॉन-आई.टी. इंफ्रा डिवीजन**, एन.आई.सी. मुख्यालय की उपस्थिति में एक औपचारिक उद्घाटन के साथ हुई।

सुश्री स्वर्णलता, निदेशक (आईटी) ने **श्री गुंटुकु प्रसाद, एसआईओ तेलंगाना और वरिष्ठ निदेशक (आईटी) और श्री राधाकृष्ण, एएसआईओ (राज्य)** और वरिष्ठ निदेशक (आईटी) के साथ मंच पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके बाद प्रार्थना गीत और पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान उपस्थित लोगों में **सुश्री अच्युत वेणु, एएसआईओ (जिले) और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), श्री रायनील जॉन, एएसआईओ (जिले)** और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), राज्य एचओडी, वरिष्ठ अधिकारी, डीआईओ / डीआईए (ऑफलाइन और वीसी मोड के माध्यम से जुड़े) शामिल थे।

बाद में, राज्य समन्वयक, तेलंगाना और डेटा सेंटर नॉन-आई.टी. इन्फ्रा डिवीजन एच.ओ.जी. को एस.आई.ओ. तेलंगाना और ए.एस.आई.ओ. (राज्य) तेलंगाना द्वारा गमले और पारंपरिक शॉल देकर सम्मानित किया गया।

उद्घाटन मुख्य भाषण :

सभी गणमान्य व्यक्तियों ने एक के बाद एक अपने दृष्टिकोण साझा किए, अपने विचारों से चर्चा को समृद्ध किया।

बाएँ से दाएँः श्री गुंटुकू प्रसाद (एसआईओ टीजी), श्री वीटीवी रमना (राज्य समन्वयक टीजी), श्री राधा कृष्ण (एएसआईओ स्टेट टीजी), श्री आशीष विक्रम अस्थाना (डेटा सेंटर नॉन आईटी इन्फ्रा एचओजी) ने मुख्य भाषण दिया।

"**एसआईओ तेलंगाना-** उन्होंने एनआईसी में शामिल सभी नए डीआईओ और डीआईए का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों के साथ बातचीत के माध्यम से निरंतर सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस तरह के जुड़ाव व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और संगठनात्मक प्रक्रियाओं की समझ को बढ़ाते हैं। उनके प्रोत्साहन और आतिथ्य के शब्दों ने एक सकारात्मक माहौल बनाया, जो एक सहायक और समावेशी वातावरण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

"**तेलंगाना के राज्य समन्वयक** - उन्होंने युवा डीआईओ/डीआईए और अधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया, संगठन की एक संरचित दृष्टिकोण और विभिन्न स्तरों पर व्यापक उपस्थिति की विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विरासत अनुभवी नेतृत्व, विशेषीकृत डोमेन केंद्रों और एक सुव्यवस्थित पदानुक्रम पर बनी है, जो पहलों के सुचारू निष्पादन और निरंतरता को सुनिश्चित करती है। **उन्होंने यह भी कहा कि कोई अन्य संगठन इस तरह का लगातार जिला-स्तरीय समर्थन नहीं देता है, जो इस संगठन को पहुंच और प्रभाव में अद्वितीय बनाता है।** इसके अलावा, उन्होंने चुनावों में एनआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, स्थानीय शासन को सशक्त बनाने में इसके महत्व को रेखांकित किया।"

"**एएसआईओ (राज्य)** - अपने उद्घाटन नोट में, उन्होंने दो दिवसीय कार्यक्रम में सभी जिला अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने तकनीकी डोमेन विशेषज्ञता द्वारा प्रदर्शित परियोजनाओं के तकनीकी सत्रों और विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, जो जिला गतिविधियों के अलावा ज्ञान विनिमय, सहकर्मी सीखने, सहयोग और प्रेरणा के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।"

"**डेटा सेंटर नॉन-आईटी इंफ्रा डिवीजन, एचओजी** - उन्होंने तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल बनाए रखने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आज के गतिशील वातावरण में प्रासंगिक और कुशल बने रहने के लिए लगातार तकनीकी प्रगति के अनुकूल होने के महत्व पर प्रकाश डाला। मजबूत सुरक्षा प्रथाओं को सुनिश्चित करने, स्केलेबल और टिकाऊ आर्किटेक्चर को अपनाने और एप्लिकेशन डेवलपमेंट में अच्छी तरह से संरचित डिजाइन सिद्धांतों का पालन करने पर विशेष ध्यान दिया गया। वक्ता ने डिजिटल समाधानों की सुचारू डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित परिनियोजन रणनीतियों के महत्व पर भी जोर दिया"।

आईएसओ सर्टिफिकेशन:

उद्घाटन भाषण के बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने डेटा सेंटर एन.आई.सी हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा प्राप्त **आई.एस.ओ. 27001:2022** प्रमाण पत्र का अनावरण किया, जो उत्कृष्टता और टीम वर्क के प्रति प्रतिबद्धता के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एसआईओ तेलंगाना, राज्य समन्वयक, डेटासेंटर नॉन-आईटी इन्फ्रा एच.ओ.जी., ए.एस.आई.ओ राज्य तेलंगाना, डेटासेंटर और क्लाउड डिवीजन टीम, आई.एस.ओ. प्रमाणपत्र का अनावरण करते हुए

समूह फोटो:

उद्घाटन के बाद, कार्यक्रम के दौरान एक समूह तस्वीर ली गई। इस तस्वीर में मुख्य अतिथि, एसआईओ तेलंगाना, एएसआईओ (राज्य), एएसआईओ (डिस्ट्रिक्ट), डीआईओ/डीआईए को एक साथ दर्शाया गया है, जो सभी उपस्थित लोगों की उत्साही भागीदारी और सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है। समूह तस्वीर एक संक्षिप्त अंतराल थी, जिसके बाद अधिकारी निर्धारित प्रस्तुतियों के लिए फिर से एकत्र हुए।

बाएं से दाएं: एएसआईओ (जिले) के साथ डीआईओ/डीआईए, एसआईओ तेलंगाना, राज्य समन्वयक, डेटासेंटर नॉन आईटी इन्फ्रा एचओजी, एएसआईओ राज्य तेलंगाना

डीआईओ/डीआईए का परिचय और प्रस्तुति:

ग्रुप फोटो के बाद, जिला अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में किए गए कार्यों को प्रस्तुत करने और उन पर चर्चा करने के लिए आगे बढ़े। सभी डीआईओ/डीआईए के संक्षिप्त परिचय के साथ उनके संबंधित जिला समन्वयकों के साथ, सत्र जिला अधिकारियों द्वारा दिए गए अपने-अपने जिला गतिविधियों की प्रस्तुतियों के साथ शुरू हुए। प्रत्येक प्रस्तुति ने प्रगति, चुनौतियों और जिला स्तर पर कार्यान्वित और किए जा रहे प्रभावशाली पहलों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

बाएँ से दाएँ: श्री गणपति राव और श्री आदित्य नायक (डीआईओ/डीआईए नलगोंडा), श्री राजशेखर (डीआईओ रंगारेड्डी), सुश्री चंदना प्रिया डीआईए मेडक, श्री मधु डीआईए निजामाबाद, श्री सुधीर कुमार (डीआईए हनुमकोंडा), श्री सुरम मधुसूदन (डीआईओ हैदराबाद), श्री नवीन कुमार (डीआईओ करीमनगर), श्री बोडा बिचु (डीआईए खम्मम), श्री टी अभिनव (डीआईओ आदिलाबाद), श्री अभय कुमार (डीआईए महबूबनगर), श्री टीवीकेकेआर प्रसाद (डीआईओ खम्मम), श्री श्रीराम सुशील कुमार (डीआईओ भद्राद्री वीसी के माध्यम से], श्री पेदिंती वामशीधर रेड्डी (डीआईए हैदराबाद), बुरा श्रीकांत (डीआईए आदिलाबाद)

बाएँ से दाएँ: डीआईओ/डीआईए , जिला समन्वयकों के साथ - श्री इम्तियाज अहमद, श्री राजगोपाला राव, श्री श्रीनिवास राव, श्री मल्लिकार्जुन, श्री अप्पी रेड्डी, सुश्री स्वर्णलता, सुश्री सुभा, सुश्री कविता, श्री चित्तलूरी श्रीनिवास, श्री वी सूर्यनारायण, श्री रविंदर, श्री गणेश राव

श्री गणपति राव, डीआईओ नलगोंडा और वरिष्ठ निदेशक (आईटी), जिनके पास जिले में काम करने का व्यापक अनुभव है, ने अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से, डीआईओ/डीआईए के रूप में तैनात सभी महत्वाकांक्षी युवा रंगरूटों को जिला प्रशासन में पदानुक्रम और विभिन्न भूमिकाओं, जिला गतिविधियों और बुनियादी ढांचे में अंतर्दृष्टि, कार्यान्वित डिजिटल पहल, जिला स्तर के अनुभव, चुनौतियां आदि का अवलोकन प्रदान किया।

संगठन के साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सभी जिलों द्वारा दिखाए गए प्रयासों और समर्पण की ए.एस.आई.ओ. (राज्य) और ए.एस.आई.ओ. (डिस्ट्रिक्ट) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई और यह निस्संदेह जमीनी स्तर पर मजबूत समन्वय और अधिक प्रभावी सेवा वितरण में योगदान देता है।

बाएँ से दाएँ: श्री राधा कृष्ण (एएसआईओ स्टेट), सुश्री अच्युत वेणु (एएसआईओ डिस्ट्रिक्ट), के. वी. सूर्यनारायण (वीसी डिवीजन), श्री रेनील जॉन (एएसआईओ डिस्ट्रिक्ट)।

तकनीकी सत्र:

इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों और विषय-विशेषज्ञों द्वारा ज्ञान-साझाकरण सत्रों और प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। सत्रों में अधिकारियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म और उनके कार्यों से परिचित होने और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। चर्चा किए गए प्रमुख विषय शामिल थे:

बाएँ से दाएँ:

1. **ईऑफिस 7.x, स्पैरो : श्री शराफ श्रीनिवास राव (वैज्ञानिक-ई) द्वारा**
2. **परिचय और कोलाब फाइलें : श्री रामप्रसाद (वैज्ञानिक-डी) द्वारा**
3. **साइबर सुरक्षा, फारप्स, वेबवीपीएन : सुश्री श्रीलता गोरला (वैज्ञानिक-डी) द्वारा**
4. **आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर ऑडिट : श्री काशी विश्वनाथ (वैज्ञानिक-डी) द्वारा**

बाएँ से दाएँ:

5. **आईआरएडी/ सारथी(ई-ट्रांसपोर्ट) श्री जी श्रीकांत (वैज्ञानिक-एफ & एचओडी) और श्री काशी रेड्डी (वैज्ञानिक-ई) द्वारा**
6. **वी.सी. सेवाएं श्री के. वी. सूर्यनारायण (वैज्ञानिक-सी) द्वारा**

दिन 2 की मुख्य बातें:

दूसरे दिन भी विचार-मंथन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए ।

सत्रों के दौरान, अधिकारियों को संगठनात्मक प्रक्रियाओं/समय की पाबंदी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, नई योजनाओं के दिशानिर्देशों, रिपोर्टिंग सिस्टम और फील्ड-स्तरीय निष्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी दी गई। तकनीकी विशेषज्ञों और संसाधन व्यक्तियों ने व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए केस स्टडी तैयार की और कर्मचारियों को प्रभावी समस्या-समाधान रणनीतियों पर मार्गदर्शन किया।

प्रशासनिक नीतियों और प्रक्रियाओं की समझ को मजबूत करने के लिए, प्रशासन की टीम अधिकारियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की। विजेताओं को पुरस्कारों प्रदान किया गया

एक पी.ओ.एस.एच समिति और टीम - सुश्री अचूता वेणु (एएसआईओ जिले और वैज्ञानिक एफ) और सुश्री कविता राव ((वैज्ञानिक एफ और एचओडी) द्वारा नीतियों और दिशानिर्देशों पर एक पी.ओ.एस.एच. (उत्पीड़न निवारण अधिनियम) जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया।

तकनीकी सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुए और सभी प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ अच्छी तरह से समझा।

बाएँ से दाएँ:

1. भुभारती, राज्य पीडीएस, चुनाव प्रक्रिया श्री एस कृष्णा (वैज्ञानिक-एफ और एचओडी) और श्री विजय मोहन (वैज्ञानिक-एफ) द्वारा।
2. बुनियादी ढांचा और नेटवर्क श्री पी रघु (वैज्ञानिक – एफ) और श्री शिव रामुलु (वैज्ञानिक – एफ) द्वारा ।
3. एनजीसी क्लाउड सुश्री कविता राव (वैज्ञानिक-एफ और एचओडी) द्वारा।

बाएँ से दाएँ:

1. ई-मेल, ई-फॉर्म, गोव ड्राइव श्री अर्जुन कुमार बल्ला (वैज्ञानिक-डी) द्वारा
2. प्रजावाणी (सी.पी.ग्राम्स) श्री अकेल्ला श्रीनिवास सुब्बा राव (वैज्ञानिक-एफ और एचओडी) एवं श्री मल्लिकार्जुन (वैज्ञानिक-ई) द्वारा
3. ई-माइनिंग श्री अरविंद नेहरू एल – (वैज्ञानिक -डी) द्वारा
4. हिंदी राजभाषा श्री ख्वाजा इम्तियाज अहमद (वैज्ञानिक-ई) द्वारा

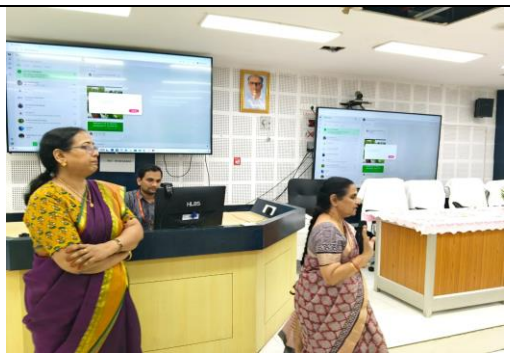	
पी.ओ.एस.एच सुश्री अचूता वेणु (एएसआईओ जिले और वैज्ञानिक एफ) और सुश्री कविता राव ((वैज्ञानिक एफ और एचओडी) द्वारा	श्री मारुति कुमार (वैज्ञानिक-ई) द्वारा एन.आई.सी.एस.आई की भूमिका

बाएँ से दाएँ:

1. आर. प्रसाद राव (वैज्ञानिक - एफ) द्वारा वेबहोस्टिंग सेवाएं
2. सुश्री अचूता वेणु (एएसआईओ डिस्ट्र..) प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए
3. श्री जॉन पीटर (अनुभाग अधिकारी) / डीडीओ द्वारा एडमिन/पीएफएमएस ई-बिल

सुश्री मिनी पॉल (सहायक अनुभाग अधिकारी) द्वारा प्रशासन से संबंधित प्रक्रियाओं/नीतियो पर एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और विजेताओं को स्वतःस्फूर्त पुरस्कार प्राप्त हुए।

स्मृति समारोह और प्रशंसा:

जिला अधिकारियों को राज्य समन्वयक और एस.आई.ओ. तेलंगाना से इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में और उनके समर्पण और काम के लिए प्रशंसा के रूप में स्मृति चिह्न प्राप्त हुए।

डीआईओ/डीआईए, एसआईओ तेलंगाना और राज्य समन्वयक तेलंगाना से स्मृति चिन्ह प्राप्त कर रहे हैं

डीआईओ/डीआईए, एसआईओ तेलंगाना और राज्य समन्वयक तेलंगाना से स्मृति चिन्ह प्राप्त कर रहे हैं

प्रतिक्रिया/पूछताछ सत्र:

प्रतिक्रिया सत्र में जिला अधिकारियों द्वारा साझा की गई मूल्यवान प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं, जैसे कि:

"कार्यशाला ने हमें नए डिजिटल प्लेटफॉर्म की स्पष्ट समझ दी, जिससे हमारी कार्यक्षमता में सुधार होगा और हमें जमीनी स्तर पर बहुत मदद मिलेगी"

"अब हम जिलों में राज्य-स्तरीय योजनाओं को समान रूप से लागू करने में अधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं"

"वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर बहुत मूल्यवान था"

"यह जिलों में अनुभवों को साझा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखने के लिए एक उत्कृष्ट मंच था"

साथ ही, राज्य स्तरीय प्रबंधन ने जिला अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और सुझावों जैसे कि जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और तकनीकी मुद्दों का विधिवत समाधान किया और स्पष्ट किया और अधिकारियों द्वारा मजबूत समझ का प्रदर्शन करते हुए सकारात्मक नोट पर निष्कर्ष निकाला। साझा किए गए सुझावों को भविष्य में विचार करने के लिए नोट किया गया।

बाएँ से दाएँ: डी.आई.ओ./डी.आई.ए. पर फीडबैक साझा करते हुए, मंच पर ए.एस.आई.ओ (जिले), ए.एस.आई.ओ.(राज्य) एस.आई.ओ और राज्य समन्वयक, तेलंगाना

ब्रेकआउट सत्र:

मुख्य परिचालन और समन्वय चुनौतियों को संबोधित करने और लक्षित चर्चाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला समन्वयकों को शामिल करते हुए एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय स्तर की चुनौतियों और व्यावहारिक समाधानों पर उनकी सिफारिशें व्यावहारिक और अच्छी तरह से प्राप्त थीं, और जिला अधिकारियों को उनकी सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता के लिए सराहना मिली।

समापन सत्रः

2-दिवसीय बैठक का समापन **श्री रेनील जॉन, एएसआईओ (जिले)** द्वारा प्रत्येक विशिष्ट अतिथि, सक्षम प्राधिकारी, वक्ता, एचओडी और जिला समन्वयकों को उनके बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और समर्थन के लिए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, साथ ही जिला अधिकारियों को पूरे सत्रों में उनके उत्साह और जुड़ाव के लिए, और भविष्य के कार्यक्रमों में उनकी निरंतर भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया गया। आयोजन समिति और स्वयंसेवी कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत/समर्पण के लिए, और लॉजिस्टिक्स समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया। वीसी/इन्फ्रास्ट्रक्चर/नेटवर्क डिवीजनों को निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए धन्यवाद दिया गया।

सुश्री स्वर्णलता प्रस्तोता

श्री रवि बंडी, प्रस्तोता

आयोजन समिति: बाएँ से दाएँ. - श्री रवि बंडी (वैज्ञानिक-सी एवं कल्याण अधिकारी), श्री चितलूरी श्रीनिवास राव (वैज्ञानिक-डी), सुश्री स्वर्णलता वैज्ञानिक- ई एवं प्रस्तोता, श्री शिव रामुलु वैज्ञानिक - एफ, श्री गणपति राव वैज्ञानिक- एफ

इसके बाद सम्मानपूर्वक राष्ट्रगान गाया गया, जिसके बाद जिला अधिकारियों को एनडीसी और क्लाउड ऑपरेशंस केंद्रों की निर्देशित यात्रा पर ले जाया गया, जिसके साथ श्री बाजीद बाबू (वैज्ञानिक- ई) थे और एनकेएन, एसओसी केंद्रों के साथ श्री पी रघु (वैज्ञानिक- एफ) और श्री काशी विश्वनाथ (वैज्ञानिक- डी) उनके संचालन और सुविधाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए साथ थे।

समापन और परिणाम:

दो दिवसीय कर्मचारी सम्मेलन एक शानदार सफलता साबित हुआ, जिसने राज्य और जिला स्तरों के बीच खुली बातचीत, विचार विनिमय और सामूहिक विकास के लिए एक मंच तैयार किया, जिससे जिला स्तर के अधिकारियों को राज्य की पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक ज्ञान और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जिला अधिकारियों ने विश्वास जताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम से उन्हें अपने कर्तव्यों का अधिक प्रभावी ढंग से पालन करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम ने न केवल संगठनात्मक मूल्यों को सुदृढ़ किया, बल्कि कर्मचारियों के बीच संबंधों को भी मजबूत किया, जिससे अधिक तालमेल और भविष्य की उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

****